न्यूज़ टुडे

WHO ने "2000-2024 के बीच तंबाकू उपयोग की वैश्विक प्रवृत्तियों" पर रिपोर्ट जारी की

रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

- **वैश्विक तंबाकू उपयोग में गिरावट:** वैश्विक स्तर पर तंबाकू का उपयोग करने वाले वयस्कों की संख्या में **बड़ी कमी** आई है। वर्ष 2010 में यह संख्या **26.2%** थी, जो 2024 में घटकर **19.5%** रह गई।
  - हालांकि, तंबाकू का सेवन करने वालों की संख्या में कमी आई है, लेकिन दुनिया भर में प्रत्येक **5 में से 1 वयस्क** अभी भी तंबाकू का सेवन करता है।
- **ई-सिगरेट की बढ़ती लोकप्रियता:** दुनिया भर में **10 करोड़ (100 मिलियन) से अधिक** लोग ई-सिगरेट का उपयोग कर रहे हैं।

भारत की प्रगति और स्थिति

- **भारत में तंबाकू उपयोग (2024):** वर्ष 2024 में भारत में लगभग **243.48 मिलियन लोग,** जिनकी **आयु 15 वर्ष या उससे अधिक** थी, तंबाकू का सेवन कर रहे थे।
- **WHO के NCD लक्ष्य की दिशा में भारत अग्रसर:** वर्ष 2010 से 2025 के बीच भारत में तंबाकू उपयोग में लगभग **43% की सापेक्ष कमी** होने का अनुमान है, जो बहुत अच्छी प्रगति मानी जा रही है।
  - **WHO का NCD लक्ष्य:** 2025 तक तंबाकू उपयोग में **30% की कमी हासिल** करना है।

भारत में तंबाकू उपयोग पर नियंत्रण के लिए उठाए गए कदम

- **सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (COTPA), 2003:** यह कानून सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध लगाता है तथा 18 वर्ष से कम आयु के नाबालिगों को तंबाकू उत्पाद बेचने पर रोक लगाता है।
- **सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (पैकेजिंग और लेबलिंग) संशोधन नियम, 2022:** इन नियमों के तहत तंबाकू उत्पादों के पैकेट पर स्वास्थ्य संबंधी सचित्र चेतावनी प्रिंट करने का प्रावधान किया गया है।
- **राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम:** यह कार्यक्रम जन-जागरूकता बढ़ाने और तंबाकू उत्पादों के उत्पादन व आपूर्ति को कम करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है।
- **इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट (ई-सिगरेट) निषेध अधिनियम, 2019** आदि।

तंबाकू (निकोटियाना टैबैकम) के बारे में

- **उत्पत्ति:** दक्षिण अमेरिका।
- **जलवायु संबंधी परिस्थितियां:**
  - **जलवायु:** तंबाकू विभिन्न प्रकार की जलवायु में उगाया जा सकता है, लेकिन इसे **पाला रहित 90 से 120 दिनों की अवधि** की आवश्यकता होती है।
  - **तापमान:** इसके पौधे के वृद्धि के लिए **20°C से 30°C तापमान** सबसे उपयुक्त होता है।
  - **वर्षा:** न्यूनतम **500 मिमी वर्षा** आवश्यक है।
  - **मिट्टी:** अच्छी जल निकासी वाली **रेतीली दोमट** या अच्छी उर्वरता वाली **जलोढ़ मिट्टी**।
- **भारत की स्थिति:** भारत विश्व का **दूसरा सबसे बड़ा तंबाकू उत्पादक देश** है। पहले स्थान पर **चीन** है। इसके अलावा, **ब्राजील** के बाद **दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश** है।
- **मुख्य उत्पादक राज्य:** गुजरात **(लगभग 30% उत्पादन),** आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और बिहार।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और प्रतिस्पर्धा पर बाजार अध्ययन" शीर्षक से एक अध्ययन जारी किया

CCI ने भारत की **बाजार गतिशीलता, प्रतिस्पर्धा और विनियामक फ्रेमवर्क पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के महत्वपूर्ण प्रभाव की जांच** करते हुए एक अध्ययन जारी किया है।

वैश्विक और भारतीय AI बाजार की संवृद्धि

- **वैश्विक:** अंकटाड (UNCTAD) के अनुसार, वैश्विक AI बाजार **2023 के 189 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2033 तक 4.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर** तक पहुंच सकता है यानी इसमें लगभग **25 गुना वृद्धि** होगी।
- **भारत:** BCG–NASSCOM की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का AI बाजार हर साल **25–35%** की दर से बढ़कर **2027 तक 17–22 बिलियन अमेरिकी डॉलर** तक पहुंच सकता है।

वर्तमान AI के युग में प्रतिस्पर्धा संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दे

- **एल्गोरिदमिक एकतरफा आचरण (प्रभुत्व का दुरुपयोग):** बड़ी कंपनियां एल्गोरिदम का इस्तेमाल करके **स्वयं को वरीयता देने या प्रिडेटरी प्राइसिंग** जैसी रणनीतियां अपना सकती हैं।
  - इसके अलावा, उच्च गुणवत्ता वाले **डेटासेट्स और महंगे कंप्यूटेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर** पर कुछ बड़ी कंपनियों का नियंत्रण उनके बाजार प्रभुत्व को मजबूत करता है तथा नए अभिकर्ताओं से प्रतिस्पर्धा को सीमित करता है।
- **मूल्य निर्धारण पद्धतियां और भेदभाव:** AI-आधारित मूल्य निर्धारण (जैसे- गतिशील, वैयक्तिकृत या लक्षित मूल्य निर्धारण) उन्नत विश्लेषण का उपयोग करता है, ताकि उपभोक्ता की **भुगतान करने की अनुमानित इच्छा** के आधार पर कीमतों को निर्धारित किया जा सके। यह **कमजोर वर्गों के शोषण** के जोखिम को बढ़ा सकता है।
- **एल्गोरिदमिक समन्वित आचरण (मिलीभगत):** उदाहरण के लिए- AI एल्गोरिदम स्व-शिक्षण विधियों के माध्यम से बिना मानव हस्तक्षेप के स्वतंत्र रूप से मूल्य निर्धारण, बाजार आवंटन या बोली-प्रक्रिया का समन्वय कर सकते हैं। इससे बाजार में हुई **मिलीभगत का पता लगाना कठिन** हो जाएगा।

CCI द्वारा क्या उपाय किए जा सकते हैं?

- **विनियामक क्षमता निर्माण:** CCI अपनी तकनीकी क्षमताओं और अवसंरचना को सशक्त कर सकता है तथा **डिजिटल बाजार एवं AI विशेषज्ञों का एक थिंक टैंक** बनाने पर विचार कर सकता है।
- **अंतर-विनियामक समन्वय:** आयोग **समझौता ज्ञापनों (MoUs)** के जरिए अन्य सरकारी विभागों और विनियामकों के साथ समन्वय को बढ़ावा देने का प्रयास कर सकता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:** आयोग OECD जैसी बहुपक्षीय संस्थाओं और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा प्राधिकरणों के साथ साझेदारी कर **प्रवर्तन रणनीतियों का समन्वय** कर सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय विनियामक पद्धतियां

- **संयुक्त राज्य अमेरिका:** अमेरिका **मौजूदा** एंटीट्रस्ट कानूनों और **क्षेत्र-विशिष्ट नियमों** पर निर्भर करता है।
- **यूरोपीय संघ:** इसने **ऐतिहासिक AI एक्ट** को अपनाया है। इस कानून में AI प्रणालियों को विनियमित करने के लिए **जोखिम-आधारित दृष्टिकोण** का उपयोग किया गया है।
- **यूनाइटेड किंगडम:** इसने **डिजिटल बाजार, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता (DMCC) अधिनियम, 2024** लागू किया है। यह कानून **"रणनीतिक बाजार स्थिति"** वाली फर्मों के लिए उचित प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने हेतु एक व्यवस्था का प्रावधान करता है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने "द स्टेट ऑफ सोशल जस्टिस: ए वर्क इन प्रोग्रेस" रिपोर्ट जारी की

यह रिपोर्ट **नवंबर 2025 में कतर के दोहा** में आयोजित होने वाले **दूसरे 'विश्व सामाजिक विकास शिखर सम्मेलन'** से पहले जारी की गई है। यह रिपोर्ट 1995 के **'कोपेनहेगन सामाजिक विकास शिखर सम्मेलन' की 30वीं वर्षगांठ** को भी चिन्हित करती है।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

- **प्रगति:** दुनिया में **चरम गरीबी 39% से घटकर 10%** रह गई है।
  - साथ ही, पहली बार **2023 से विश्व की 50% से अधिक आबादी** को किसी-न-किसी **सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत कवर** किया गया है।
- **कमियां:** असमानता को कम करने की दिशा में **प्रगति रुक** गई है।
  - किसी व्यक्ति की **आय का 71% हिस्सा केवल उसके जन्म की परिस्थितियों** (जैसे- परिवार, देश, सामाजिक स्थिति आदि) पर निर्भर करता है।
  - **1982 से पूरी दुनिया में संस्थाओं पर लोगों का विश्वास लगातार घट** रहा है।
- **जोखिम:** यदि सरकारों द्वारा समय पर एवं नीतिगत हस्तक्षेप नहीं किए जाते हैं, तो **पर्यावरणीय, डिजिटल और जनसांख्यिकीय बदलाव** जैसे गहरे सामाजिक परिवर्तन असमानता को और बढ़ा सकते हैं।

सामाजिक न्याय के लिए संस्थाओं को अनुकूल बनाना

- **श्रम संस्थाओं को पुनः सक्रिय करना और अनुकूलित करना:**
  - **मुख्य फ्रेमवर्क्स को अपडेट करना:** सामाजिक सुरक्षा, श्रम संरक्षण और सक्रिय श्रम बाजार नीतियों को पर्यावरणीय, डिजिटल एवं जनसांख्यिकीय बदलावों के अनुसार सुधारना चाहिए।
  - **मजबूत सामाजिक संवाद सुनिश्चित करना:** इससे नीति निर्माण में सभी सामाजिक साझेदारों की भागीदारी सुनिश्चित हो सकेगी।
- **सामाजिक आयाम को बढ़ावा देना:**
  - श्रम नीतियों को वित्त, उद्योग, स्वास्थ्य और पर्यावरणीय योजनाओं के साथ जोड़ना चाहिए।
  - सीमित दृष्टिकोणों से आगे बढ़ते हुए, नीति निर्माण की प्रत्येक प्रक्रिया में सामाजिक पहलुओं को शामिल करना चाहिए।
- **विखंडनों को समाप्त करना और वैश्विक सहयोग का लाभ उठाना:**
  - सरकार के मंत्रालयों, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं और सामाजिक भागीदारों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए।
  - सामाजिक न्याय के लिए वैश्विक गठबंधन और दूसरे विश्व सामाजिक विकास शिखर सम्मेलन जैसे साधनों का उपयोग करके समन्वित एवं समग्र प्रतिक्रिया को मजबूत करना चाहिए।

सामाजिक न्याय क्या है?

- **परिभाषा:** सामाजिक न्याय का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक व्यक्ति को **स्वतंत्रता, सम्मान, आर्थिक स्थिरता और समान अवसरों** के परिवेश में **भौतिक समृद्धि एवं आध्यात्मिक विकास** का अधिकार प्राप्त हो।
- **स्तंभ (Pillars):** अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) की सामाजिक न्याय की अवधारणा **चार मुख्य स्तंभों पर आधारित है:**
  - मूलभूत मानवाधिकार और क्षमताएं
  - अवसरों तक समान पहुंच;
  - निष्पक्ष वितरण और
  - न्यायपूर्ण परिवर्तन।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने वन्यजीव सप्ताह 2025 के अवसर पर विविध पहलों की शुरुआत की

ये पहलें **राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (NBWL) की 7वीं बैठक में व्यक्त दृष्टिकोण** को आगे बढ़ाती हैं।

- **प्रजातियों के संरक्षण और वन्यजीव-मानव संघर्ष प्रबंधन के लिए शुरू की गई 5 पहलें निम्नलिखित हैं:-**

पहलें	विवरण
प्रोजेक्ट डॉल्फिन (चरण-II): पूरे भारत में **नदी और समुद्री दोनों प्रकार की सिटासियन** (डॉल्फिन, व्हेल आदि) के संरक्षण उपायों को मजबूत करने के लिए कार्य योजना का कार्यान्वयन।	• भारत में **गंगा और सिंधु** नदी में डॉल्फिन पाई जाती हैं। **गंगा डॉल्फिन को 'राष्ट्रीय जलीय जीव'** घोषित किया गया है। • **संरक्षण स्थिति: एंडेंजर्ड (IUCN) और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I** में सूचीबद्ध।
प्रोजेक्ट स्लॉथ बेयर (भालू): स्लॉथ बेयर के संरक्षण हेतु राष्ट्रीय कार्यान्वयन रूपरेखा की शुरुआत।	• यह मुख्य रूप से **भारत, नेपाल और श्रीलंका** में पाया जाता है। • **संरक्षण स्थिति:** वल्नरेबल **(IUCN)** और **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I** में सूचीबद्ध। • यह मुख्य रूप से **दीमक और चीटियां** खाता है। • अन्य भालू प्रजातियों के विपरीत, यह प्रजाति अपने **शावकों को अपनी पीठ पर** लेकर चलती है।
प्रोजेक्ट घड़ियाल: घड़ियालों के संरक्षण के लिए **कार्यान्वयन कार्य-योजना** का शुभारंभ।	• मुख्य रूप से **नेपाल और भारत** में पाए जाते हैं। • **संरक्षण स्थिति:** क्रिटिकली एंडेंजर्ड **(IUCN)** और **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I** में सूचीबद्ध। • नर घड़ियाल की थूथन के सिरे पर 'घुंडी' **(बल्बनुमा उभार)** जैसी संरचना होती है। इससे उन्हें तेज आवाज निकालने में मदद मिलती है।
टाइगर रिज़र्व से बाहर के बाघ: संरक्षित क्षेत्रों के बाहर मानव-बाघ संघर्ष का निवारण करने के लिए एक परियोजना। इसमें **भू-दृश्य दृष्टिकोण, तकनीकी हस्तक्षेप, क्षमता निर्माण और सामुदायिक समर्थन** का उपयोग किया जाएगा।	• बाघ **भारत, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, चीन और म्यांमार** में पाए जाते हैं। • **संरक्षण स्थिति:** एंडेंजर्ड **(IUCN)** और **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I** में सूचीबद्ध। • उनकी व्यक्तिगत रूप से विशिष्ट धारियाँ प्रत्येक बाघ को **पहचानने योग्य** बनाती हैं।
मानव-वन्यजीव संघर्ष प्रबंधन के लिए उत्कृष्टता केंद्र (CoE-HWC):	• **मानव-वन्यजीव संघर्षों** के लिए **नीति, अनुसंधान और क्षेत्र-आधारित शमन** का समर्थन करने हेतु SACON में एक **समर्पित राष्ट्रीय केंद्र** की स्थापना की जाएगी।

भारत में ई-गवर्नेंस

भारत में ई-गवर्नेंस एक बैकएंड प्रशासनिक प्रणाली से विकसित होकर एक **परिवर्तनकारी शक्ति** बन गया है। इसने **राज्य और नागरिकों के बीच अंतर्क्रिया के तरीके** को पूरी तरह बदल दिया है।

ई-गवर्नेंस क्या है?

- **परिभाषा:** ई-गवर्नेंस का अर्थ **सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT)** का उपयोग करके **लोक सेवाओं को बेहतर बनाना, सरकारी कार्यप्रणाली को अधिक कुशल बनाना, और नागरिकों की भागीदारी बढ़ाना** है।
- **ऐतिहासिक संदर्भ:**
  - प्रारंभिक चरण (1980–2000) में प्रौद्योगिकी का उपयोग केवल **प्रशासनिक कार्यों में सहायक उपकरण** के रूप में किया जाता था।
  - **1976 में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC)** की स्थापना ने भारत में डिजिटलीकरण की नींव रखी।
- वर्तमान में **भारत ई-गवर्नमेंट डेवलपमेंट इंडेक्स 2024 में 97वें** स्थान पर है।

भारत में ई-गवर्नेंस की परिवर्तनकारी भूमिका

- **नागरिकों की पहुंच बढ़ाना: ई-सेवा** और **डिजी लॉकर** जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स नागरिकों को कहीं से भी सरकारी सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करते हैं।
- **पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना: BHOOMI** (डिजिटल भूमि रिकॉर्ड) और **प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT)** जैसी पहलों ने कल्याणकारी योजनाओं में **भ्रष्टाचार एवं लीकेज को कम** किया है।
- **प्रशासनिक दक्षता को सुव्यवस्थित करना: राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (NeGP)** और **कॉमन सर्विस सेंटर्स (CSC)** के माध्यम से **स्वचालन एवं एकीकरण** ने निर्णय लेने की प्रक्रिया को तीव्र व सेवा वितरण को अधिक प्रभावी बनाया है।
- **वित्तीय समावेशन: जैम ट्रिनिटी (जन धन–आधार–मोबाइल)** और **UPI** जैसे कार्यक्रमों ने वित्तीय समावेशन को व्यापक बनाया है।
- **ग्रामीण सशक्तीकरण: ज्ञानदूत और प्रधान मंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (PMGDISHA)** जैसी पहलों ने प्रौद्योगिकी को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाया है। इससे शासन में नागरिकों की भागीदारी में बढ़ोतरी हुई है।
- **नवाचार और अंतर-संचालनीयता को सक्षम करना: इंडिया स्टैक, GeM (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस)** जैसे प्लेटफॉर्म्स ने नवाचार, डेटा अंतर-संचालनीयता और विभिन्न क्षेत्रकों में निर्बाध सेवा वितरण को बढ़ावा दिया है।

चुनौतियां

- डिजिटल डिवाइड
- डेटा गोपनीयता और निगरानी संबंधी जोखिम
- अपवर्जन संबंधी त्रुटियां
- संस्थागत क्षमता की सीमाएं
- प्लेटफॉर्म्स का वर्चस्वपूर्ण प्रभाव

फिजियोलॉजी या मेडिसिन (चिकित्सा) के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार की घोषणा की गई

फिजियोलॉजी या मेडिसिन के क्षेत्र में 2025 का नोबेल पुरस्कार **मैरी ई. ब्रंकॉ, फ्रेड रैम्सडेल** (दोनों संयुक्त राज्य अमेरिका से) और **शिमोन साकागुची** (जापान) को दिया जाएगा। इन्हें यह पुरस्कार **"पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस" (परिधीय प्रतिरक्षा सहनशीलता)** से संबंधित खोजों के लिए दिया जाएगा।

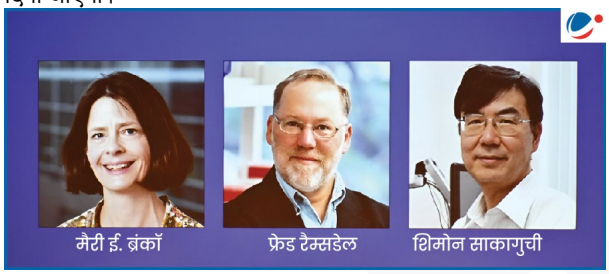

अनुसंधान की मुख्य विशेषताएं

- **फोकस क्षेत्र:**
  - यह अनुसंधान **परिधीय प्रतिरक्षा प्रणाली (Peripheral Immune System)** पर केंद्रित था। इसमें **केंद्रीय तंत्रिका तंत्र (मस्तिष्क और मेरुदंड) के बाहर की प्रतिरक्षा प्रणाली** शामिल होती है।
  - इस प्रणाली को समझना आवश्यक है, ताकि यह समझा जा सके कि प्रतिरक्षा प्रणाली कैसे काम करती है और यह कैसे निर्धारित करती है कि किस पर हमला किया जाना चाहिए या किसका बचाव किया जाना चाहिए।
- **रेगुलेटरी टी (Treg) कोशिकाओं की खोज:**
  - **टी-सेल्स (T-cells)** प्रतिरक्षा कोशिकाएं होती हैं, जो शरीर को **रोगजनकों** से बचाती हैं। अलग-अलग टी-सेल्स की विशेष कार्यक्षमताओं की उनके सतही प्रोटीन के आधार पर पहचान की जाती है।
  - **1995 में, शिमोन साकागुची ने रेगुलेटरी टी-सेल्स** की एक नई श्रेणी की खोज की थी, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को शांत करती है और उसे शरीर पर हमला करने से रोकती है। इस प्रक्रिया को **पेरिफेरल टॉलरेंस (परिधीय सहनशीलता)** कहा जाता है।
- **FOXP3 जीन और ऑटोइम्यूनिटी:**
  - ब्रंकॉ और रैम्सडेल ने उन **स्कर्फ़ी चूहों** पर अध्ययन करके इस क्षेत्र को आगे बढ़ाया, जिन्हें गंभीर ऑटोइम्यून बीमारी थी।
  - **2001** में, उन्होंने इन चूहों और मानव विकार **IPEX** में ऑटोइम्यूनिटी के लिए जिम्मेदार **FOXP3** जीन की पहचान की।
  - इस खोज से साकागुची ने यह प्रदर्शित किया कि **FOXP3 जीन रेगुलेटरी टी-सेल्स (Treg cells) के विकास को नियंत्रित** करता है।

महत्त्व

- **कैंसर उपचार:** ट्यूमर टी-सेल्स को सक्रिय करके प्रतिरक्षा प्रणाली से बच सकते हैं; **इम्यूनोथेरपी** में टी-सेल्स की गतिविधि को नियंत्रित करके उपचार की प्रभावशीलता बढ़ाई जाती है।
- **ऑटोइम्यून और ट्रांसप्लांट देखभाल:** चिकित्सीय परीक्षण Treg कोशिकाओं के निर्माण को बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि ऑटोइम्यून रोगों का इलाज हो सके या शरीर द्वारा अंग प्रत्यारोपण की अस्वीकृति से बचा जा सके।

अन्य सुर्खियां

ब्लिज़र्ड

हाल ही में, **तिब्बत में अचानक आए एक बर्फीले तूफान (ब्लिज़र्ड)** ने कई ट्रैकरों और पर्वतारोहियों को दूरदराज के शिविरों में फंसने पर मजबूर कर दिया।

ब्लिज़र्ड के बारे में

- **परिभाषा:** ब्लिज़र्ड **प्रबल शीतकालीन तूफान** होते हैं। इनमें प्रचंड पवनों के साथ **बर्फ के कण भी हवा में मिश्रित होकर उड़ते** हैं। इस वजह से **दृश्यता बहुत कम** हो जाती है।
- **उत्पत्ति:** ये अक्सर एक **तीव्र तूफानी प्रणाली के उत्तर-पश्चिमी हिस्से** में विकसित होते हैं।
  - तूफ़ान में **निम्न दाब** और पश्चिम में **उच्च दाब** के बीच का अंतर एक **सघन दाब प्रवणता** बनाता है। इसके परिणामस्वरूप तीव्र गति से पवनें चलती हैं।
- **प्रभाव:** ये (कम दृश्यता की स्थिति के कारण) **कार दुर्घटनाओं, तुषार दंश** (frostbite), **हाइपोथर्मिया** (शरीर का तापमान खतरनाक रूप से कम होना) आदि का कारण बन सकते हैं।

प्रतिभूति लेन-देन कर (Securities Transaction Tax - STT)

सुप्रीम कोर्ट ने **प्रतिभूति लेन-देन कर (STT) की संवैधानिक वैधता** की जांच करने पर सहमति प्रकट की।

प्रतिभूति लेन-देन कर के बारे में

- यह एक **प्रत्यक्ष कर** है, जो **मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज** के माध्यम से की जाने वाली **प्रतिभूतियों की खरीद-बिक्री** पर लगाया जाता है।
- इसे **वित्त अधिनियम, 2004** के तहत लागू किया गया था।
- **उद्देश्य:** प्रतिभूति बाजार में **कर चोरी को रोकना**।

खारकीव और पोल्तावा क्षेत्र

हाल ही में, रूस ने **खारकीव** और **पोल्तावा क्षेत्रों** में यूक्रेन के गैस स्थलों पर बड़े पैमाने पर हमले किए।

- इस हमले से अन्य क्षेत्र जैसे **डोनेट्स्क, लुहान्स्क, सूमी, खेरसॉन, माइकोलाइव, नीप्रो, ज़ापोरिज़्ज़िया, चेर्निहाइव** आदि भी प्रभावित हुए।
  - **ज़ापोरिज़्ज़िया** विशेष चिंता का क्षेत्र है, क्योंकि यह **परमाणु ऊर्जा संयंत्र** का एक स्थल है।

यूनेस्को (UNESCO)

यूनेस्को ने **पहली बार किसी अरब नेता को महानिदेशक** नियुक्त किया है।

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) के बारे में

- **स्थापना:** 1946 में
- **मुख्यालय:** पेरिस।
- **सदस्य राष्ट्र:** 194.
- **उद्देश्य:** यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है। इसका लक्ष्य **शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और संचार को बढ़ावा देकर मानवता की साझी भावना को मजबूत** करना है।
- **शासी संरचना:** जनरल कॉन्फ्रेंस, सचिवालय और कार्यकारी बोर्ड।
- **नियुक्ति: महानिदेशक को कार्यकारी बोर्ड** द्वारा नामित किया जाता है और **जनरल कॉन्फ्रेंस** द्वारा नियुक्त किया जाता है।
  - आरंभ में नियुक्ति **चार साल** के लिए होती है। बाद में अगले **चार साल के कार्यकाल** के लिए फिर से नियुक्त किया जा सकता है।
- **यूनेस्को के प्रमुख प्रकाशन:**
  - ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग रिपोर्ट,
  - यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड वॉटर डेवलपमेंट रिपोर्ट,
  - ग्लोबल ओशन साइंस रिपोर्ट।

कार्बन कैप्चर एंड स्टोरेज (CCS)

क्लाइमेट एनालिटिक्स के एक अध्ययन के अनुसार, **एशियाई देशों में कार्बन कैप्चर एंड स्टोरेज (CCS) को बढ़ावा देने से 2050 तक 25 बिलियन टन अतिरिक्त उत्सर्जन बढ़** सकता है।

कार्बन कैप्चर एंड स्टोरेज (CCS) क्या है?

- यह तकनीक **कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) को वायुमंडल से हटाने और उसे सुरक्षित रूप से जमीन के नीचे संग्रहित** करने के लिए उपयोग की जाती है, ताकि CO_2 को स्थायी रूप से पृथक रखा जा सके।
- **यह कैसे काम करती है?**
  - **कैप्चर चरण:** CO_2 को औद्योगिक उत्सर्जन या वायुमंडल से अलग और शुद्ध किया जाता है।
  - **परिवहन चरण:** शुद्ध CO_2 को **संपीडित (Compressed) और निर्जलित (Dehydrated)** कर पाइपलाइन, जहाज या टैंकों के जरिए ले जाया जाता है।
  - **स्टोरेज चरण:** CO_2 को **गहरी भूमिगत चट्टानों** में इंजेक्ट किया जाता है और वहां स्थायी रूप से संग्रहीत किया जाता है।
- **लाभ:**
  - CO_2 उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलती है;
  - ग्लोबल वार्मिंग को कम करने के प्रयासों को बढ़ावा मिलता है आदि।

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स

भारत ने **वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में रिकॉर्ड 22 पदक जीते, जिनमें 6 स्वर्ण पदक शामिल** हैं। यह भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।

- भारत ने **पहली बार (2025) वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी** की और ऐसा करने वाला **चौथा एशियाई देश** बना।

वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स के बारे में

- पैरा एथलेटिक्स, **पैरा ओलंपिक मूवमेंट** का सबसे बड़ा खेल है।
- **पहली** पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता **1952 में आयोजित** की गई थी।
- इसका संचालन **इंटरनेशनल पैरा ओलंपिक कमेटी (IPC)** करती है। **इसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं होती हैं—**
  - **पैरालंपिक खेल:** ये **हर चार साल** में आयोजित होते हैं।
  - **वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप: हर दो साल** में आयोजित की जाती है।
  - **वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री: 2013 से हर साल** अलग-अलग शहरों में आयोजित की जा रही है।

टाइफून मत्मो

चीन के युन्नान और ग्वांगडोंग प्रांत टाइफून मत्मो से प्रभावित हुए।

टाइफून के बारे में

- टाइफून, **पश्चिमी प्रशांत महासागर** में बनने वाला एक **उष्णकटिबंधीय चक्रवात** (Tropical Cyclone) होता है।
  - **उष्णकटिबंधीय चक्रवात** तेजी से घूमने वाले तूफान होते हैं, जो **उष्ण महासागरों के ऊपर बने निम्न दाब वाले क्षेत्रों** से उत्पन्न होते हैं। ये वाताग्र (Front) के निर्माण या टकराव से नहीं बनते हैं।
- इनका नाम अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग होता है: **चक्रवात (हिंद महासागर), हरिकेन (अटलांटिक) और विली-विली (पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया)।**
- **अनुकूल परिस्थितियां:**
  - समुद्र की सतह का तापमान **27°C से अधिक** होना चाहिए;
  - **कोरिओलिस बल** की उपस्थिति;
  - ऊर्ध्वाधर वायु की गति में **कम बदलाव;** तथा
  - पहले से मौजूद **कमजोर निम्न दाब क्षेत्र** का होना।

अल-होल (Al Hol)

हाल ही में, **इराकी सरकार ने संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद-रोधी कार्यालय (UNOCT)** के तकनीकी सहयोग से **अल-होल से व्यक्तियों के प्रत्यावर्तन पर एक उच्च-स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन** आयोजित किया था।

अल-होल के बारे में

- **अल-होल** एक शरणार्थी शिविर है, जो **पूर्वोत्तर सीरिया** में स्थित है।
- इसमें **सीरियाई व इराकी शरणार्थी और अन्य देशों** के विभिन्न व्यक्ति रहते हैं।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

कतर (राजधानी: दोहा)

भारत ने अपनी **यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) सेवाओं** का विस्तार **कतर** तक कर दिया है।

भौगोलिक अवस्थिति

- कतर **पश्चिम एशिया में अरब प्रायद्वीप के उत्तर-पूर्वी तट पर** अवस्थित है।
- **सीमा से सटे हुए देश:** सऊदी अरब।
- **सीमावर्ती जल निकाय:** फारस की खाड़ी और बहरीन की खाड़ी।

भौगोलिक विशेषताएं

- मुख्य स्थलाकृतियों में **रेत के टीले और नमक युक्त मैदान (साबखाह)** आते हैं।
- कतर के पास **विश्व के तीसरे सबसे बड़े प्राकृतिक गैस भंडार** हैं और यह **प्राकृतिक गैस का एक प्रमुख निर्यातक देश** भी है।